>

Title: Spread of unidentified virus due to pollution in Jamshedpur, Jharkhand.

श्री निशिकांत दुबे (गोड्डा): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से आज जमशेदपुर जो झारखंड़ में है, वहां पॉल्युशन के कारण एक नए तरह का वायरस आ गया है, जिसके कारण दस लोग मर चुके हैं और पन्द्रह सौ से लेकर दो हजार लोग अस्पताल में भर्ती हैं। उन्हें डेंगू, चिकनगुनिया या इंसफलाइटिस हो गया है, क्या हो गया है, इसका किसी को पता नहीं चल रहा है। पुणे में उसका टैस्ट हुआ है। मेरा यह कहना है कि जब जमशेदपुर बना था, वह वहां के लिए वरदान था, लेकिन आज वह अभिशाप बन गया है। संस्कृत का एक श्लोक है कि--

क्षिति जल पावक गगन समीरा। पंचतत्व हैं, अधम शरीरा।।

पांच तत्व से मिलकर यह शरीर बना है और मैं आपको यह कह सकता हूं कि जो पांच तत्व हैं, पांच के पांच तत्व वहां पॉल्युटेड हैं। वहां स्वर्ण रेखा नदी और खरकई नदी दोनों में स्लम टाटा इंडस्ट्री डाली हुई है। वह एक मिलियन टन का प्लांट था, लेकिन वह उसके कारण पांच मिलियन टन का हो गया और अब दस मिलियन टन का हो रहा है।

केन्द्र सरकार से लेकर राज्य सरकार तक, मैं दोनों को कहूंगा कि पोल्यूशन की जो स्थिति है, जिस तरह पोल्यूशन का लेवल दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है, उसके कारण लोग मर रहे हैं, उसके बारे में केन्द्र सरकार चिंतित नहीं है। झारखण्ड में एनआरएचएम फेल हो गया है, पूरा हेल्थ सिस्टम फेल है। केन्द्र सरकार ने सभी जगह के लिए एम्स दिए हैं, लेकिन झारखण्ड में एम्स जैसा कोई इंस्टीट्यूशन नहीं बन पाया है, इस कारण से लोग कहां इलाज कराएंगे, गरीब मरेंगे, इसके बारे में किसी को चिंता नहीं है। मेरा आपके माध्यम से सवाल है, हम मेंबर ऑफ पार्लियामेंट हैं, मैं एक कविता के माध्यम से अपनी बात समाप्त करूंगा:

> "जिंदगी की गलियों से गुजरता हूं मैं, कुछ सवाल, कुछ जवाब ढूंढता हूं मैं।
> कहीं मेरी जिंदगी एक सवाल बनकर न रह जाए, इसी बात से डरता हूं मैं, इसी बात से डरता हूं मैं।"

मेरा आपसे आग्रह है कि इस देश की जो एनवायरनमेंट मिनिस्ट्री है, जो हेल्थ मिनिस्ट्री है, वे इसकी जांच कराए और पोल्यूशन की जांच करके जो दोषी हैं, उनको सजा दिलाएं।